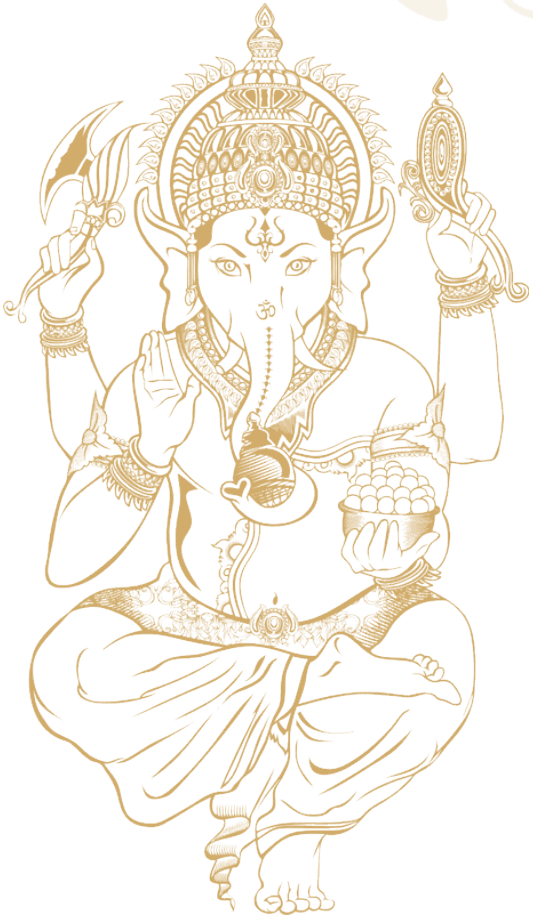

Mr.

18 Sep 1984

11:06 AM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 120344403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/09/1984**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**11:06:00 घंटे**
इष्ट	12:04:46 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:35:28 घंटे
वेलान्तर	00:05:51 घंटे
साम्पातिक काल	10:24:47 घंटे
सूर्योदय	06:16:05 घंटे
सूर्यास्त	18:32:39 घंटे
दिनमान	12:16:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	01:50:26 कन्या
लग्न के अंश	01:59:23 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सिद्धि
करण	बालव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोमेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:59:23	299:52:42	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			कन्या	01:50:26	00:58:35	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	सम राशि
चंद्र			वृष	29:54:11	12:49:18	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			वृश्चि	24:58:47	00:38:47	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	स्वराशि
बुध			सिंह	14:55:37	01:24:51	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			धनु	10:04:06	00:03:34	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	स्वराशि
शुक्र			कन्या	27:14:57	01:13:33	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	नीच राशि
शनि			तुला	19:26:34	00:05:35	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	उच्च राशि
राहु			वृष	05:59:44	00:00:14	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	05:59:44	00:00:14	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	16:18:15	00:01:34	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
नेप			धनु	05:02:03	00:00:16	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	---
प्लूटो			तुला	07:00:24	00:02:04	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			सिंह	10:40:36	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:22

लग्न-चलित

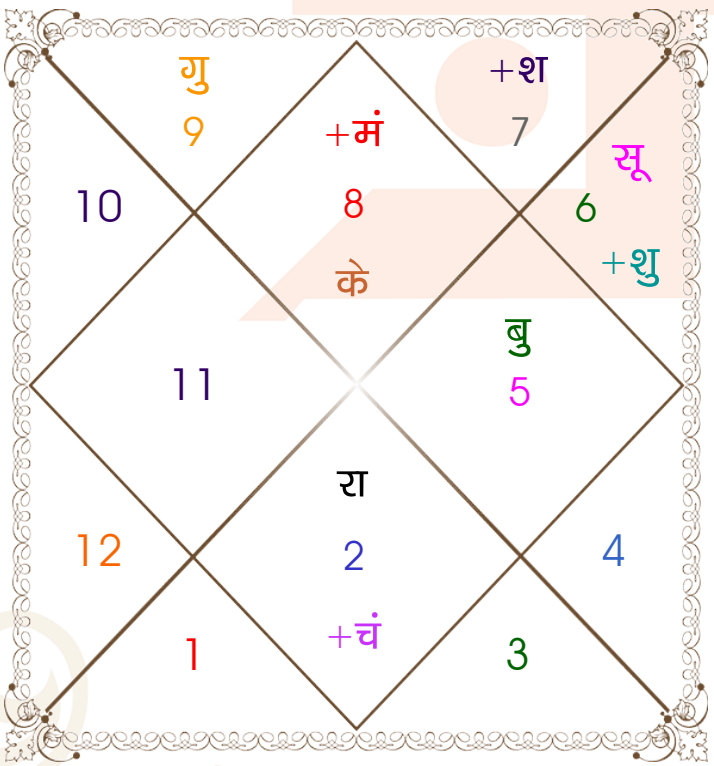

चन्द्र कुंडली

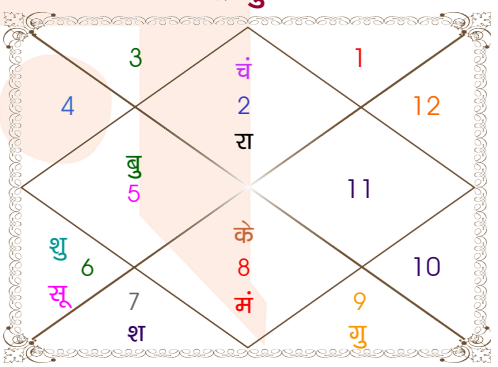

नवमांश कुंडली

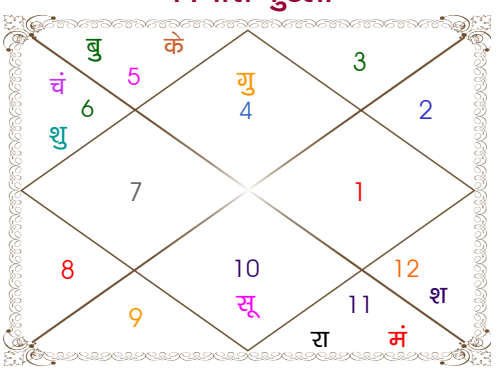

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 6 मास 18 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
18/09/1984		07/04/1988		07/04/2006		07/04/2022		07/04/2041	
07/04/1988		07/04/2006		07/04/2022		07/04/2041		07/04/2058	
	00/00/0000	राहु	19/12/1990	गुरु	26/05/2008	शनि	10/04/2025	बुध	04/09/2043
	00/00/0000	गुरु	14/05/1993	शनि	07/12/2010	बुध	19/12/2027	केतु	31/08/2044
	18/09/1984	शनि	20/03/1996	बुध	14/03/2013	केतु	27/01/2029	शुक्र	02/07/2047
शनि	07/10/1984	बुध	07/10/1998	केतु	18/02/2014	शुक्र	29/03/2032	सूर्य	07/05/2048
बुध	04/10/1985	केतु	26/10/1999	शुक्र	19/10/2016	सूर्य	11/03/2033	चंद्र	07/10/2049
केतु	02/03/1986	शुक्र	25/10/2002	सूर्य	07/08/2017	चंद्र	10/10/2034	मंगल	04/10/2050
शुक्र	02/05/1987	सूर्य	19/09/2003	चंद्र	07/12/2018	मंगल	19/11/2035	राहु	22/04/2053
सूर्य	07/09/1987	चंद्र	20/03/2005	मंगल	13/11/2019	राहु	25/09/2038	गुरु	29/07/2055
चंद्र	07/04/1988	मंगल	07/04/2006	राहु	07/04/2022	गुरु	07/04/2041	शनि	07/04/2058

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
07/04/2058		07/04/2065		07/04/2085		08/04/2091		08/04/2101	
07/04/2065		07/04/2085		08/04/2091		08/04/2101		00/00/0000	
केतु	04/09/2058	शुक्र	07/08/2068	सूर्य	26/07/2085	चंद्र	06/02/2092	मंगल	04/09/2101
शुक्र	04/11/2059	सूर्य	07/08/2069	चंद्र	24/01/2086	मंगल	06/09/2092	राहु	23/09/2102
सूर्य	11/03/2060	चंद्र	08/04/2071	मंगल	01/06/2086	राहु	08/03/2094	गुरु	30/08/2103
चंद्र	10/10/2060	मंगल	07/06/2072	राहु	26/04/2087	गुरु	08/07/2095	शनि	19/09/2104
मंगल	08/03/2061	राहु	08/06/2075	गुरु	12/02/2088	शनि	05/02/2097		00/00/0000
राहु	26/03/2062	गुरु	06/02/2078	शनि	24/01/2089	बुध	08/07/2098		00/00/0000
गुरु	02/03/2063	शनि	07/04/2081	बुध	01/12/2089	केतु	06/02/2099		00/00/0000
शनि	10/04/2064	बुध	06/02/2084	केतु	07/04/2090	शुक्र	08/10/2100		00/00/0000
बुध	07/04/2065	केतु	07/04/2085	शुक्र	08/04/2091	सूर्य	08/04/2101		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 6 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।